कक्षा 12 राजनीति विज्ञान

ANSWER SET–10

✦ खंड – क : बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर

1. (ख) महाशक्तियाँ प्रत्यक्ष युद्ध से बचती रहीं
2. (ख) स्वतंत्र निर्णय व संप्रभुता पर
3. (ख) एशिया–अफ्रीका देशों का साझा मंच
4. (ग) युद्ध को रोकना
5. (ख) आपातकालीन प्रावधानों से
6. (ग) केंद्र व राज्य दोनों कानून बना सकते हैं
7. (ग) 73वाँ संशोधन
8. (ख) संसद के विश्वास पर
9. (ख) राजनीतिक अस्थिरता रोकना
10. (ग) 1989
11. (ख) संघीय संतुलन
12. (ग) केवल स्थायी सदस्यों द्वारा
13. (ख) स्वतंत्र राष्ट्रीय हित संरक्षण
14. (ग) परामर्शात्मक
15. (ख) कार्यकाल की सुरक्षा
16. (क) 42वें संशोधन से
17. (ख) शासन को दिशा देना
18. (ख) एक मत देता है
19. (ख) जनभागीदारी पर
20. (ख) अनेक अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सक्रिय सहयोग

✦ खंड – ख : अति लघु उत्तरीय प्रश्न

21. शीत युद्ध को अप्रत्यक्ष युद्ध क्यों कहा जाता है?

क्योंकि महाशक्तियाँ प्रत्यक्ष युद्ध से बचती रहीं और संघर्ष अप्रत्यक्ष रूप से हुआ।

22. गुटनिरपेक्ष आंदोलन का एक प्रमुख सिद्धांत

स्वतंत्र विदेश नीति।

23. परमाणु प्रतिरोध से क्या तात्पर्य है?

परमाणु शक्ति के भय से युद्ध रोकना।

24. समवर्ती सूची का एक विषय

शिक्षा।

25. आपातकालीन शक्तियों का एक प्रभाव

केंद्र की शक्तियों में वृद्धि।

26. संसदीय शासन प्रणाली की एक विशेषता

कार्यपालिका संसद के प्रति उत्तरदायी।

27. दल-बदल कानून का एक उद्देश्य

राजनीतिक स्थिरता बनाए रखना।

28. क्षेत्रीय दल का एक उदाहरण

शिवसेना।

29. UNSC का एक प्रमुख कार्य

अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना।

30. रणनीतिक स्वायत्तता का अर्थ

स्वतंत्र विदेश नीति निर्णय क्षमता।

✦ खंड – ग : लघु उत्तरीय प्रश्न (I)

31. शीत युद्ध के दो राजनीतिक प्रभाव

1. विश्व का द्विध्रुवीय विभाजन।

2. क्षेत्रीय संघर्षों में वृद्धि।

32. गुटनिरपेक्ष आंदोलन की दो वैचारिक विशेषताएँ

1. तटस्थता और स्वतंत्र विदेश नीति।
2. उपनिवेशवाद का विरोध।

33. भारतीय संघवाद में केंद्र–राज्य सहयोग

समवर्ती सूची और वित्त आयोग के माध्यम से सहयोग सुनिश्चित होता है।

34. गठबंधन सरकारों के गठन के दो कारण

1. किसी दल को पूर्ण बहुमत न मिलना।
2. क्षेत्रीय दलों का बढ़ता प्रभाव।

35. क्षेत्रीय दलों के बढ़ते प्रभाव के दो परिणाम

1. संघीय संतुलन में वृद्धि।
2. राष्ट्रीय राजनीति में क्षेत्रीय मुद्दों का महत्व।

36. संयुक्त राष्ट्र महासभा की भूमिका

अंतरराष्ट्रीय चर्चा का मंच, बजट पारित करना, महासचिव के चयन में भागीदारी।

✦ खंड – घ : लघु उत्तरीय प्रश्न (II)

37. शीत युद्ध के दौरान परमाणु राजनीति की भूमिका

परमाणु हथियारों की होड़ ने 'परस्पर सुनिश्चित विनाश' का संतुलन बनाया। इससे प्रत्यक्ष युद्ध टला, पर वैश्विक तनाव बना रहा।

38. भारतीय संघवाद में समवर्ती सूची की उपयोगिता

यह केंद्र और राज्यों के बीच सहयोग बढ़ाती है और राष्ट्रीय एकता बनाए रखती है।

39. गठबंधन राजनीति के भारतीय लोकतंत्र पर प्रभाव

समावेशिता बढ़ी, परंतु अस्थिरता और नीति-निर्माण में कठिनाई भी हुई।

40. संयुक्त राष्ट्र संघ की सीमाएँ

वीटो प्रणाली और बड़े देशों का प्रभाव इसकी प्रमुख सीमाएँ हैं।

✦ खंड – ङ : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

41. गुटनिरपेक्ष आंदोलन की उत्पत्ति, सिद्धांत और समकालीन प्रासंगिकता

गुटनिरपेक्ष आंदोलन का उद्भव शीत युद्ध के दौरान नवस्वतंत्र देशों द्वारा स्वतंत्र विदेश नीति अपनाने हेतु हुआ। 1961 के बेलग्रेड सम्मेलन में इसका औपचारिक गठन हुआ।

सिद्धांत – तटस्थता, उपनिवेशवाद विरोध, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व।

समकालीन प्रासंगिकता – आज भी विकासशील देशों के लिए बहुपक्षीय सहयोग और संतुलित कूटनीति का मंच प्रदान करता है, यद्यपि संगठनात्मक चुनौतियाँ मौजूद हैं।

42. भारतीय लोकतंत्र में संघवाद और बहुदलीय प्रणाली की भूमिका

संघवाद विविधता में एकता को बनाए रखता है। बहुदलीय प्रणाली प्रतिनिधित्व और लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देती है।

दोनों मिलकर भारतीय लोकतंत्र को समावेशी और संतुलित बनाते हैं।